25/1/21 अधि० अपपक्ष उप०। अधि० प्रार्थीगण ने प्रा० पत्र 0.23 R.1 cpc पेश कर निवेदन किया कि वे पुन: प्रार्थना पत्र पेश करने की स्वीकृति के साथ प्रार्थना पत्र को विड्रा करना चाहते हैं प्रा०पत्र 0.23 R.1 cpc स्वीकार किया जाकर पुन: प्रार्थना पत्र पेश करने की स्वीकृति के साथ प्रा०पत्र अन्तर्गत धारा 251(A) R.T.A को विड्रा किये जाने की स्वीकृति दी जाती है अत: प्रार्थना पत्र प्रार्थीगण जरिये विड्रावल खारिज किया जाता है। पत्रावली फैसल शुदा होकर दर्ज रजिस्टर से कम हो। हुक्म खुले न्यायालय में सुनाया गया। पत्रावली फैसल हो दा० शामिल मिसल रहे।

Ruby